(i) **Printed Pages : 3** **Roll No. ....**

(ii) **Questions : 3**

Sub. Code : | 0 | 6 | 0 | 5 |

Exam. Code : | 0 | 0 | 0 | 7 |

B.A./B.Sc. (Hons.) 3rd Semester

(2122)

HINDI

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :—निर्देशानुसार उत्तर दें। अनर्गल विस्तार से बचें।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करते हुए काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :—

(क) हे नवयुवाओ ? देश भर की दृष्टि तुम पर ही लगी है
मनुज जीवन की तुम्हीं में ज्योति सबसे जगमगी
दोगे न तुम तो कौन देगा योग देशोद्धार में ?
देखो कहां क्या हो रहा है आजकल संसार में ?

अथवा

हम पुत्र तीस करोड़ जिसके, देश वह दुखी रहे,
अनुचित नहीं है फिर कहीं कोई हमें जो पशु कहे।
हे भाइयो ! है दीन देखो, मातृ-भू माता मही,
जो बन पड़े जिससे यहां, है इस समय थोड़ा वही। 12

(ख) इहां ज्वाल जरे जात, उहां ग्लानि गरें गात,
सूखे सकुचात सब कहत प्रकार हैं।
'जुग षट भानु देखे' प्रलयकृसानु देखे,
सेष मुख अनल बिलोके बार-बार हैं
'तुलसी' सुन्यो न कान सीललु सर्पी-समान,
अति अचरिजु कियो केसरी कुमार है।
बारिद-बचन सुनि धुने सीस सचिवन्ह,
कहैं दससीस ! ईस-बामता-बिकार हैं।

अथवा

हाट बाट हाटकु पिघिलि चलो धी सो धनो,
कनक-कराही लंक तलफति तायसो।
नाना पकवान जातुधान बलवान सब,
पागि पागि देरी कीन्हीं भली भांति भायसों।
पाहुने कृसानु पवमानसो परोसो हनुमान,
सनमानि कै जेंवाए चित-चाय सों।
'तुलसी' निहारि अरिनारि दै-दै गारि कहैं,
बावरे सुरारि बैरु कीन्हौ राम रायसों। 12

2. **तीन** समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक भाग में से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है :—

(i) 'सुन्दरकाण्ड' के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

काव्य सौन्दर्य की दृष्टि से सुन्दरकाण्ड की समीक्षा करें। 18

(ii) भारत-भारती की विषय-वस्तु, शैली और काव्यगत गुणों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

'भारत-भारती' में कवि के उद्देश्यों पर प्रकाश डालें। 18

(iii) 'सुन्दरकाण्ड' के पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं का मूल्यांकन करें।

अथवा

'भारत-भारती' के भाषाशिल्प का विश्लेषण करें। 18

3. राष्ट्रीय भाषा हिन्दी के स्वरूप और महत्व को स्पष्ट करें। 12